M–295

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work) सत्र – जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. अंतिम वर्ष छत्तीसगढ़ी

विषय –छत्तीसगढ़ी गद्य **प्रश्न–पत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. लोक शब्द किस अंग्रेजी शब्द का पर्याय है।
2. 'हीरू के कहिनी' का प्रकाशन वर्ष है।
3. 'चंदा अमृत बरसाइस' में लेखक है।
4. सोनाखान के राजा थे।
5. हाय तोला नई बचाए सकेंव , किसकी रचना है।
6. बिलासा किस समुदाय की थी।
7. छत्तीसगढ़ी में कहावत के लिए प्रचलित शब्द है।
8. सोनपान के लेखक है।

खण्ड—ब

9. बिहारीलाल साहू जी का परिचय लिखिए।
10. छत्तीसगढ़ी के पांच व्यंगय कृतियों के नाम लिखिए।
11. सीख–सीख के गोठ से क्या अभिप्राय है।
12. केयूरभूषण के कृतिव पर प्रकाश डालिए।
13. 'चंदा अमृत बरसाइस' में लेखक ने किस समस्या का उल्लेख किया है।
14. मोंगरा उपन्यास के उद्‌देश्य को लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड—स

15. लोककथा क उद्‌भव कैसे और कब से हुआ है।
16. किन्हीं दो छत्तीसगढ़ी कहानीकारों का परिचय प्रदान करें।
17. अरपा मईया के कहानी का उल्लेख कीजिए।
18. पं. श्यामलाल चतुर्वेदी के छत्तीसगढ़ी साहित्य में अवदान की विवेचना कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड—द

19. पं. मुकुटधर पाण्डेय का प्रदेय क्या है।
20. जंगो के जोमर्दी के कथ्यत्व पर प्रकाश डालिए।
21. लोककला के उद्‌भव और विकास पर लेख लिखिए।
22. छत्तीसगढ़ी कहानी में कितने तत्व होते है– संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड—इ

23. छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य के विभिन्न विधाओं का संक्षिप्त परिचय प्रदान कीजिए।
24. छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य के उद्‌भव और विकास पर लेख लिखिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

M–296

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work) सत्र – जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. अंतिम वर्ष छत्तीसगढ़ी

विषय –छत्तीसगढ़ी नाट्य एवं अन्य विधाएँ **प्रश्न–पत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. पंडवानी में किस ग्रंथ की कथा का उल्लेख है।
2. दुलार सिंह मंदरा को किस विशेष नाम से पुकारा जाता है।
3. सवर्न रहस कितने दिनों का होता है।
4. चरणदास चोर का संपादन वर्ष कब है।
5. चंदैनी गोंदा नाचा पार्टी का गठन वर्ष क्या है।
6. सोहर गीत किसे कहते है– (एक वाक्य या एक शब्द में)
7. छेर–छेरा कब मनाया जाता है।
8. भोजली का पर्याय क्या है।

खण्ड—ब

9. छत्तीसगढ़ का प्रणय गीत किसे कहा गया है– (छोटा उदाहरण सहित) बतलाइये।
10. डॉ. खुबचन्द्र बघेल का अवदान लिखिए।
11. कारी का परिचय प्रदान कीजिए।
12. छत्तीसगढ़ी रहस का आधार ग्रंथ क्या है।
13. विदूषक की भूमिका को रेखांकित कीजिए।
14. कहावत व मुहावरे में क्या अंतर है।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड—स

15. कोई जनउला उत्तर सहित लिखिए।
16. चंदैनी गोंदा के नामकरण पर प्रकाश डालिए।
17. कृष्ण चरित से सम्बन्धित लोक नाट्यों का वर्णन कीजिए।
18. लोकनाटक के महत्व को प्रतिपादित कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड—द

19. पंडवानी किस विद्या की प्रस्तुति है। संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
20. प्रमुख छत्तीसगढ़ी नाचा कलाकारों के नाम लिखिए।
21. नन्दकिशोर तिवारी जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
22. छत्तीसगढ़ी गजल पर साहित्यकार के योगदान को रेखांकित कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड—इ

23. छत्तीसगढ़ी नाचा–गम्मत लोक साहित्य की सर्वोत्तम नमुना है। सतर्क उत्तर दीजिए।
24. लोक नाट्य परम्परा में छत्तीसगढ़ी का स्थान निर्धारित कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

M–297

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work) सत्र – जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. अंतिम वर्ष छत्तीसगढी

विषय –प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी **प्रश्न–पत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. छत्तीसगढ़ी को राज्य भाषा का दर्जा कब प्राप्त हुआ।
2. चाबुक के लिए छत्तीसगढ़ी शब्द क्या है।
3. याद दिलाने के लिए लिखा जाने वाला पत्र का नाम लिखिए।
4. भारतीय संविधान में कुल अनुसूची है।
5. कान्य कुब्ज पत्रिका के प्रकाशक है।
6. 'टी आर पी' का पूरा नाम लिखिये।
7. छत्तीसगढ़ी के प्रथम निबंधकार है।
8. 'अरबी' का छत्तीसगढ़ी शब्द लिखिये।

खण्ड—ब

9. संचार की परिभाषा लिखिये।
10. महाकौशल शब्द से क्या अभिहित होता है।
11. राजकाज की भाषा को समझाइये।
12. निमंत्रण पत्र किस प्रकार का पत्र है।
13. प्रयोजन मूलक भाषा की विशेषता लिखिये।
14. प्रयोजन मूलक छत्तीसगढी के प्रशासनिक स्वरूप को व्यक्त कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड—स

15. प्रयोजन मूलक छत्तीसगढ़ी के स्वरूप पर लेख लिखिए।
16. प्रयोजन मूलक छत्तीसगढ़ी अध्ययन के उद्देश्य को रेखांकित कीजिए।
17. अनुच्छेद 350 (क) में क्या उल्लेखित है।
18. निमंत्रण शब्द का परिचय प्रदान करें।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड—द

19. विज्ञापन और छत्तीसगढ़ी को रेखांकित कीजिए।
20. राजभाषा आयोग का गठन के संदर्भ में जानकारी प्रदान करें।
21. लोकव्यवहार में छत्तीसगढ़ – छत्तीसगढ़ी के महत्व को प्रतिपादित कीजिए।
22. कार्यलयीन छत्तीसगढ़ी से क्या आशय है– उल्लेख कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड—इ

23. प्रयोजन मूलक छत्तीसगढ़ी की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिये।
24. मिडीया को प्रभावी बनाने के लिये छत्तीसगढ़ी की भूमिका पर सविस्तार वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

M–298

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work) सत्र – जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. अंतिम वर्ष छत्तीसगढी

विषय – छत्तीसगढ़ी लोक कला एवं संस्कृति **प्रश्न–पत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड—अ

1. बलराम का जन्म छत्तीसगढ़ में मनाया जाने वाला किस पर्व के दिन हुआ था।
2. करूभत कब– किस पर्व में खाया जाता है।
3. किस एकादशी (किस माह में) को दवउठनी एकादशी कहा गया है।
4. छत्तीसगढ़ का सिल्क किसे कहा गया है।
5. किस जनजाति की स्त्रियों को गोदना प्रिय है।
6. देशी रसगुल्ला किसे कहा गया है।
7. नागमोरी शरीर के किस अंग का आभुषण है।
8. घोटुल जनजातियों का कौन सा गृह है।

खण्ड—ब

9. कलेवा क्या है। जानकारी प्रदान करें।
10. लोक संस्कृति के महत्व को प्रतिपादित कीजिए।
11. बांस शिल्पकला क्या है।
12. सदनाही पर विचार व्यक्त कीजिए।
13. पोला पर्व के महत्व को अभिव्यक्त कीजिए।
14. दुलार जी मंदरा के लोककला पर योगदान को रेखांकित कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड—स

15. छत्तीसगढ़ के प्रमुख लोकप्रिय व्यंजनों का परिचय प्रदान कीजिए।
16. उरांव जनजाति की संस्कृति पर लेख लिखिये।
17. गोबर चित्रकला से क्या अभिप्राय है, उल्लेख कीजिए।
18. 'दसहरा' आयोजन की पृष्ठभूमि एवं महत्व को रेखांकित कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड—द

19. जनजाति के जीवन में वनों का क्या स्थान है , लिखिये।
20. लोककला के उद्‌भव पर प्रकाश डालिये।
21. छत्तीसगढ़ की संस्कृति में खान–पान एवं आभूषण की उपयोगिता प्रतिपादित कीजिए।
22. करमा नृत्य–गीत परम्परा को व्याख्याकित कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड—इ

23. छत्तीसगढ़ी लोक कला एवं संस्कृति पर निबंध लिखिए।
24. नवरात्र की महिमा का आद्योपान वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

5. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
6. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
7. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
8. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**